सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

# जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

**प्रेरणा**

"अपनी समस्याओं की पहचान खुद करें दूसरे तो उलझन पैदा करेंगे।"

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 23 SEPTEMBER TO 29 SEPTEMBER 2022 • VOLUME-10 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

# ओपरेशन लोटस नहीं मान को सत्ता से हटाने का है षड्यंत्र : अश्वनी शर्मा

***बोले- 'आप' सरकार के झूठ में जरा भी सच्चाई है तो हाईकोर्ट के किसी सिटिंग जज से इस मामले की करवाई जाए जाँच***

**• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

केजरीवाल जानबूझ कर भगवंत मान से गलतियाँ करवा रहा है, ताकि उसे हटाया जा सके। यह ओपरेशन लोटस नहीं बल्कि केजरीवाल का भगवंत मान हटाओ षड्यंत्र है। यह उपरोक्त शब्द प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने भाजपा मुख्यालय चंडीगढ़ से शुरू होने वाले रोष मार्च में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहे। अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं के विशाल समूह ने जब मुख्यमंत्री के निवास का घेराव करने के लिए कूच किया तभी वहां पर मौजूद पुलिस द्वार बैरीकेडिंग करके उन्हें रोक दिया गया, जिससे भड़के कार्यकर्ताओं द्वारा पंजाब सरकार के विरुद्ध नारेबाजी शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को खदेड़ने के लिए बल प्रयोग किया। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया और जल-तोपों का भी जमकर इस्तेमाल किया, जिससे कई कार्यकर्त्ता गम्भीर रूप से जख्मी हो गए, लेकिन जख्मी होने के बावजूद कार्यकर्ताओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा था और कार्यकर्त्ता इस सब के बावजूद भी डटे रहे।

पुलिस द्वारा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। इस दौरान आक्रोशित भाजपा नेता व कार्यकर्त्ता पुलिस की गाड़ियों के समक्ष लेट गए तथा नारेबाजी करने लगे, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अश्वनी शर्मा ने कहा कि पंजाब के माननीय राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित द्वारा पंजाब के हित्तों की रक्षा हेतु अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए भगवंत मान द्वारा पंजाब विधानसभा के बुलाए गए सत्र पर लगाई गई रोक का फैसला संविधान के अनुसार लिया गया है। अरविंद केजरीवाल के ईशारे पर बुलाया गया एक दिवसीय सत्र संविधान के विरुद्ध था, क्यूंकि आप सरकार के पास पहले से ही विधानसभा में दो-तिहाई से भी ज्यादा बहुमत है और ऐसी सरकार को बहुमत साबित करने की कोई जरुरत नहीं है।

शर्मा ने कहा कि आज तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि जिस पार्टी के 92 विधायक हों और वो अपने ही विधायकों से विश्वासमत हासिल करने के लिए विधानसभा का सत्र बुलाए।

# 15 राज्य, 93 ठिकाने और 45 की गिरफ्तारी

**मुंबई.** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देशभर में पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अलग-अलग राज्यों से कुल 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एनआईए की अधिकारी संजुक्ता पराशर ने इस छापेमारी को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को 15 राज्यों में 93 लोकेशन पर सर्च अभियान चला। ये 15 राज्य हैं- कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, असम, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गोआ, पश्चिम बंगाल, बिहार और मणिपुर। एनआईए की अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान अलग-अलग राज्यों से कुल 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं केरल में 39, तमिलनाडु में 16, कर्नाटक में 12, आंध्र प्रदेश में 7, तेलंगाना में 1, उत्तर प्रदेश में 2, राजस्थान में 4, दिल्ली में 2, असम में 1, मध्य प्रदेश में 1, महाराष्ट्र में 4, गोवा में 1, पश्चिम बंगाल में 1, बिहार में 1 और मणिपुर में एक जगह छापेमारी की गई।

एनआईए ने निजामाबाद मामले में कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया। आंध्र प्रदेश से 4 और तेलंगाना से 1 शख्स एनआईए के हत्थ चढ़ा. वहीं एक केस दिल्ली का है, जिसमें केरल से 19, कर्नाटक से 7, तमिलनाडु से 11 और उत्तर प्रदेश से 1 और राजस्थान से 2 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, यानी कुल 45 ।

पिछले कुछ दिनों की तफ्तीश के दौरान एनआईए को पता चला था कि पीएफआई टेरर फंडिंग, ट्रेनिंग कैम्प जहां हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी, साथ ही नौजवानों को प्रतिबंधित आतंकी संगठन जॉइन करने के लिए उकसा रहे थे। इसको लेकर ये रेड की गई थी। एनआईए ने पहले ही ये मुकदमे दर्ज किए थे और जांच के बाद एविडेंस मिले और अब ये कार्रवाई की गई। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए के करीब 300 अधिकारी तलाशी अभियान में शामिल थे। एनआईए डीजी ने इस छापेमारी की सुपरवाइज किया।

## म्यांमार में फर्जी जॉब रैकेट

**म्यांमार.** डिजिटल/क्रिप्टोकरंसी घोटाले के लिए भारतीयों को फंसाने वाले म्यांमार स्थित फर्जी नौकरी रैकेट से संबंधित मीडिया रिपोर्टें आई हैं। अनुमानित 100-150 भारतीय नागरिक पूरे थाईलैंड में म्यांमार के म्यावाडी इलाके में फंसे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार अधिकांश भारतीय नागरिक केरल और तमिलनाडु से हैं।

जुलाई 2022 में मामले की पहली रिपोर्टिंग के बाद से विदेश मंत्रालय थाईलैंड और म्यांमार में अपने दूतावासों के माध्यम से ऐसे भारतीय नागरिकों को बचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रहा है, जिसमें इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटरों में बचाए गए/रिहा किए गए भारतीय नागरिकों के लिए आवश्यक कांसुलर एक्सेस की सुविधा भी शामिल है। यांगून में हमारे मिशन के प्रयासों से म्यांमार से 32 भारतीय नागरिकों को पहले ही बचाया जा चुका है। यांगून और बैंकॉक में हमारे दोनों दूतावासों ने परामर्श जारी किया है और नियमित रूप से स्थानीय अधिकारियों के साथ इस मामले को उठा रहे हैं।

## 27 को होने वाले विधान सभा सत्र में विचारे जाएंगे पंजाब से संबंधित मुद्दे : मुख्यमंत्री

***विशेष सत्र की इजाजत न देने के मनमाने और लोकतंत्र विरोधी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के पास पहुंच करने का ऐलान***

**• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार ने अब राज्य से सम्बन्धित अलग-अलग मसलों पर विचार-चर्चा करने के लिए 27 सितम्बर को पंजाब विधान सभा का सत्र बुलाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधान सभा के विशेष सत्र की पहले मंजूरी देकर बाद में रद्द करने के राज्यपाल के मनमाने और लोकतंत्र विरोधी फैसले के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के पास पहुंच करेगी। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है और वह इस तर्कहीन फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जाएँगे। उन्होंने कहा कि लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों और राज्यों के संघीय अधिकारों की रक्षा के लिए इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जायेगी।

भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' की हिमायत करने के लिए पंजाब कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा की यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस अलोकतांत्रिक काम की सबसे बड़ी पीड़ित पार्टी कांग्रेस इस मामले में भगवा पार्टी के हक में खड़ी रही है।

# क्या आने वाले चुनावों में अपना मेयर बनवा पायेगी "आप" सरकार ?

## थीम सांग... स्वच्छ भारत का इरादा... इरादा कर लिया हमने...देश से अपने वादा... ये वादा कर लिया हमने...

**• जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने के बाद भी नगर निगमों के हालत दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। यहां लोग मूलभूत सुविधाएं पाने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं।

पिछले कई सालों से जालंधर शहर में कूड़े के प्रबंधन को लेकर नगर निगम हमेशा विवादों में रहा है और स्वच्छ भारत मिशन के तहत इनके द्वारा करोड़ों रुपए की मशीनरी भी खरीदी गई है और विभाग के अधिकारी लोगों में स्वछता के प्रति जागरूकता लाने के लिए कई तरह के प्रोग्राम भी आयोजित कर चुके हैं। परन्तु आज तक इन सभी कार्यक्रमों में लगाया गया पैसा किसी भी तरह से लोगों को जागरूक नहीं कर पाया है।

**नगर निगम विभाग जालंधर**

पिछले कई दिनों से ठेकेदार को पेमेंट न मिलने के कारण जहां उसने कूड़ा उठाने वाली ट्रालियों का काम रोक रखा है। वहीं बड़े ट्रकों को पेट्रोल पंप पर तेल न मिलने की वजह से शहर के हर एक कोने में कूड़े के ढेर लगे हुए देखे जा सकते हैं।

परन्तु नगर निगम जहां इन गाड़ियों में तेल नहीं डलवा पा रहा वहीं दूसरी तरफ जब यह गाड़ियां चलती भी है तो आधा कूड़ा हमेशा शहर की अंदरूनी सड़कों पर जा रहे राहगीरों और वाहन चालकों के ऊपर बिखेरती जाती है और निगम द्वारा ट्रकों के ऊपर लोड होकर जा रहे कूड़े को कवर करने के लिए सफाई सेवकों को किसी भी प्रकार की सुविधा प्रदान नहीं की गई है।

जिक्रयोग्य है कि कुछ वर्ष पहले विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन को लागू करने और लोगों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता थीम पर गाने भी रिकार्ड करवा कर कूड़े उठाने हेतु छोटे वाहनों में प्ले किए जाते थे जो आज जालंधर में कहीं भी सुनने को नहीं मिलते। लेकिन यह सारे कार्य कुछ महीनों के लिए करने वाले अधिकारी बाद में ट्रांसफर होकर किसी और शहर बदल दिए जाते हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा जालंधर को स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटी के तहत अलग से पैसे मिलते हैं परन्तु इस वक़्त शहर के जो हालात बने हुए हैं न तो शहर कहीं से स्वच्छ नज़र आता है और न ही स्मार्ट और पिछले 6 महीनों में नगर निगम कमिश्नर द्वारा कार्य कर रहे ठेकदारों की पेमेंट न करना आने वाले दिनों में शहर के लिए विकराल स्थिति पैदा करने वाला है। इससे लोगों में आने वाले पार्षद चुनावों को लेकर चर्चा छिड़ी हुई है कि क्या आम आदमी पार्टी नगर निगम में अपने मेयर बना भी पायेगी या उन्हें भी दिल्ली जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा। सरकार आम आदमी पार्टी की परन्तु नगर निगम दिल्ली में मेयर बीजेपी का काबिज है।

अब आने वाले दिनों में देखना होगा कि सरकार नगर निगमों में सफाई सेवकों की कमी और उनकी मांगों को कब पूरा करेगी और स्वछता के प्रति लोगों को जागरूक करने से पहले कूड़े को खुले में ले जा रहे ट्रकों और ट्रॉलियों के लिए क्या प्रबंध करेगी।

# भारत में पितरों के पिंड दान के लिए हैं कई महत्वपूर्ण जगहें

***श्राद्ध के दिनों में भारत की कई जगहों पर पिंड दान किया जाता है, माना जाता है कि यहां पिंड दान करने से लोगों को मोक्ष की प्राप्ती होती है। यहां कुछ ऐसी जगहों के बारे में।***

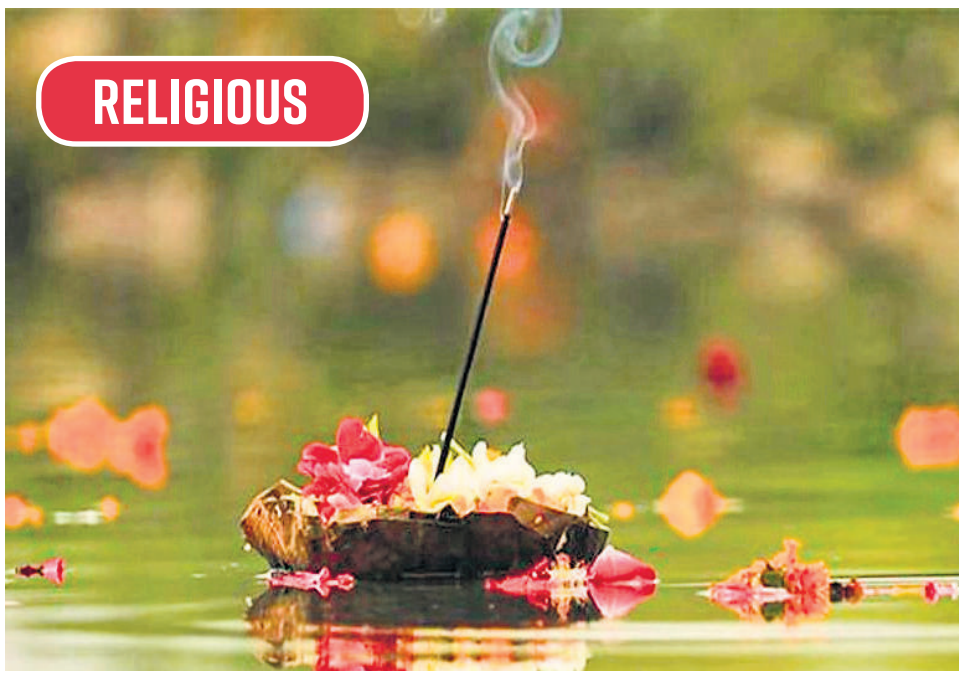

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हिंदू धर्म पूरी तरह से रिति-रिवाजों से पूर्ण है। जीवन और मृत्यु के सभी अवसरों के लिए अनुष्ठानों से भरा है। मृत्यु के साथ श्राद्ध, अस्थि विसर्जन और पिंडदान जैसे रिवाज जुड़े हुए हैं। पिंडदान पूर्वजों की वंदना करने और उनकी आत्मा को मोक्ष की ओर ले जाने की एक रस्म है। ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इस प्रथा की शुरुआत की थी। पिंड दान काफी जरूरी है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि मृतक की आत्मा दुख से मुक्त हो जाती है। यहां देखें उन जगहों के बारे में जहां आप पिंड दान के लिए जा सकते हैं।

### भारत में पिंड दान की जगह

√ **वाराणसी**- वाराणसी भारत की सबसे पवित्र नदियों के तट पर स्थित है, गंगा और शहर को भारत के सबसे शीर्ष तीर्थ स्थानों में से एक माना जाता है। गंगा घाट पर पिंड दान समारोह आयोजित करने की प्रथा काफी पुरानी है, जहां स्थानीय ब्राह्मण पंडित अनुष्ठान शुरू करते हैं जिसमें मंत्र जप और फिर पिंड का प्रसाद होता है।

√ **गया**- पिंडदान के लिए बिहार में गया एक और जरूरी जगह है। आमतौर पर ये फाल्गु नदी के तट पर किया जाता है, जिसे भगवान विष्णु का अवतार कहा जाता है। लोग इस पवित्र नदी में डुबकी लगाते हैं और ब्राह्मण यहां उपलब्ध 48 प्लेटफार्मों में से किसी एक पर पिंड दान की प्रतिक्रिया आयोजित करते हैं।

3) **बद्रीनाथ**- अलकनंदा के तट पर स्थित ब्रह्म कपाल घाट पिंडदान समारोह के लिए शुभ माना जाता है। भक्त पवित्र जल में डुबकी लगाते हैं और ब्राह्मणों ने मंत्रों का जाप करने और दिवंगत की आत्मा और पूर्वजों को चावल के पारंपरिक गोले चढ़ाने की रस्म शुरू की।

√ **पुष्कर**- माना जाता है कि राजस्थान के पुष्कर में पवित्र झील भगवान विष्णु की नाभि से निकली थी और कुछ के अनुसार, यह तब अस्तित्व में आई जब भगवान ब्रह्मा ने यहां कमल का फूल गिराया। झील और स्नान मंच के चारों ओर 52 घाट हैं जहां भक्त आमतौर पर अश्विन के पवित्र महीने के दौरान आयोजित पिंड दान समारोह में शामिल होते हैं।

√ **अयोध्या**- राम जन्मभूमि भी एक तीर्थ स्थान है और पिंड दान समारोहों के लिए सबसे अच्छे स्थलों में से एक है। पवित्र सरयू नदी के तट पर भात कुंड है जहां हिंदू ब्राह्मण पुजारी की अध्यक्षता में अनुष्ठान करने के अपने दायित्व को पूरा करते हैं।

## PERENTING +

# बच्चों को अजनबी लोगों के बारे में हर पेरेंट को बतानी चाहिए ये बातें

बच्चों को हमेशा यह बात बतानी चाहिए कि अजनबियों से उन्हें कैसे बात करनी है। आपको बताना है कि बच्चों को कैसे बिना डरे सिचुएशन को डील करना है। कभी-कभी कुछ लोग बच्चों का फायदा उठा लेते हैं।

जब हमारे बच्चों की सुरक्षा की बात आती है, तो हमें हर छोटी-बड़ी बात पर नजर रखनी चाहिए। खासतौर पर बच्चों को हमेशा यह बात बतानी चाहिए कि अजनबियों से उन्हें कैसे बात करनी है। आपको बताना है कि बच्चों को कैसे बिना डरे सिचुएशन को डील करना है। कभी-कभी कुछ लोग बच्चों का फायदा उठाकर उन्हें बहकाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आपको उन्हें समझाना चाहिए कि अजनबियों की बातों से कैसे बचना है और झूठ-सच के बीच में उन्हें कैसे अंतर करना है।

### अजनबियों से रखें दूरी

बच्चों को बताएं कि उन्हें किसी अजनबी के पास नहीं जाना है। उन्हें अगर कोई छूने की कोशिश करे, तो उन्हें दूर हट जाना चाहिए। बच्चों को बताएं कि फिजिकल टच से दूर रहें।

### गुड और बैड टच

बच्चों को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर भी समझाएं। हर पेरेंट को बताना चाहिए कि कोई अलग-अलग तरीके से छूने का क्या मतलब होता है। अगर कोई भी उन्हें गलत तरीके से छूता है, तो उन्हें घर पर यह बात बतानी है।

### जान-पहचान वाले लोगों से भी करें सचेत

ऐसा नहीं है कि आपको सिर्फ अजनबियों के प्रति ही अपने बच्चों को सचेत करना है बल्कि बच्चों को बताएं कि अगर जान-पहचान वाले लोग भी उनसे गलत व्यवहार करते हैं, तो उन्हें कैसे अपना बचाव करना है। बच्चों को चुप रहने की बजाय उन्हें गलत बातों के खिलाफ बोलना सिखाएं।

### रोल प्ले

बच्चों के साथ रो प्ले करें। जिसमें आप किसी अजनबी का किरदार निभाएं और अपने रोल से बच्चों को समझाने की कोशिश करें कि उन्हें अजनबी लोगों के गलत व्यवहार को कैसे पहचानना है। आपको बच्चों को रोल प्ले से डराना नहीं बल्कि समझाना है।

# गैस और एसिडिटी से रहते हैं परेशान तो ऐसे बनाकर खाएं पुदीने का रायता, रोजाना खाने से सेहत दुरुस्त

पुदीना की पत्तियां एंटीमाइक्रोबियल, एंटीवायरस, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-एलर्जिक गुणों से भरपूर होती हैं। जो सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाने में मदद करती है। ऐसा ही एक फायदा है गैस और एसिडिटी से छुटकारा दिलाना।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ

पाने के लिए किया जाता रहा है। यह जादुई हरे रंग की पत्तियां आपकी सेहत और खूबसूरती का ही नहीं बल्कि आपके स्वाद का भी ख्याल रखती हैं। पुदीना की पत्तियां एंटीमाइक्रोबियल, एंटीवायरस, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-एलर्जिक गुणों से भरपूर होती हैं। जो सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाने में मदद करती है। ऐसा ही एक फायदा है गैस और एसिडिटी से छुटकारा दिलाना। जी हां, पुदीना की पत्तियों से बना रायता खाने से आपको गैस और एसिडिटी की समस्या से जल्द राहत मिल सकती है। तो देर किस बात की आइए जान लेते हैं कैसे बनाया जाता है पुदीने का रायता और इसका सेवन करने से व्यक्ति को मिलते हैं क्या-क्या फायदे।

### पुदीने का रायता बनाने के लिए

**सामाग्री...**

√ 4 कटोरी पुदीने की पत्तियां
√ 1 खीरा कसा हुआ
√ 2 कटोरी दही
√ हरी मिर्च
√ छोटा प्याज बारीक कटा हुआ
√ टमाटर बारीक कटा हुआ
√ हरी धनिया
√ अनार के दाने
√ चार्ट मसाला
√ काला नमक
√ जीरा पाउडर
√ चीनी
√ नमक

### पुदीने का रायता बनाने का तरीका

**विधि...**

पुदीने का रायता बनाने के लिए सबसे पहले 4 कटोरी पुदीने की पत्तियों के साथ हरे धनिया की पत्तियों को भी धोकर अलग रख लें।अब इन पुदीने और धनिया की पत्तियों को मिक्सर में पीस लें। एक बड़ी कटोरी लें और उसमें दो कटोरी दही के साथ बारीक कटी हुए हरी मिर्च, प्याज और टमाटर डाल लें। अब इसमें कद्दूकस किए हुए खीरे को भी डाल लें। अब जीरा पाउडर, चाट मसाला, काला नमक, नमक और चीनी अपने स्वादानुसार डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिला लें। अवश्यकता अनुसार आप इसमें थोड़ा पानी भी मिला सकते हैं। इसके बाद इसमें बारीक कटी हुई हरी धनिया और अनार के दाने डालें। अब इस रायते को ठंडा होने के लिए थोड़ी देर फ्रिज में रख दें। आपका टेस्टी पुदीने का रायता बनकर तैयार है।

### पुदीने का रायता खाने के फायदे

**पेट की गर्मी करता है शांत-**

पुदीना मेन्थॉल से भरपूर होता है जो पेट को ठंडा रखने के लिए जाना जाता है। ये पित्त की परेशानी को कम करता है और पाचन तंत्र से जुड़े हर अंग को शांत करता है। इस रायते में कुछ ऐसे एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोन्यूरिएंट्स भी मौजूद होते हैं जो डाइजेस्टिव एंजाइम फूड की तरह काम करते हुए इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम के लक्षणों से भी बचाव करते हैं।

**एसिडिटी से दिलाए निजात-**

अगर आपको भी खाना खाने के बाद एसिडिटी की समस्या रहती है तो अपनी डाइट में पुदीने का रायता जरूर शामिल करें। इसे डाइट में शामिल करने से पाचन तंत्र अच्छी तरह काम करता है और व्यक्ति को गैस और बदहजमी की समस्या परेशान नहीं करती है।

**भोजन पचाने में करता है मदद-**

पुदीना में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी और मेंथॉल जैसे गुण ज्यादा तेल मसाले वाले खाने को भी पचाने में मदद करते हैं। साथ ही ये सीने में जलन पैदा करने वाले मसालों के असर को भी हल्का कर देता है। ये पेट की मांसपेशियों को आराम पहुंचाने के साथ मेटाबोलिज्म को तेज करता है, जिससे खाना तेजी से पच जाता है।

**वेट लॉस-**

पुदीने का रायत न सिर्फ स्वाद में अच्छा है बल्कि ये आपकी वेट लॉस जर्नी में भी आपकी मदद कर सकता है। इसका सेवन करने से मेटाबोलिज्म तेज होता है, जिससे अनहेल्दी फूड्स टिशूज से चिपक कर मोटापा बढ़ाने का कारण नहीं बनते। साथ ही ये ज्यादा तेल-मसाला खाने के नुकसान को भी कम करता है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

# रेस्टोरेंट स्टाइल में घर पर बनाएं दही के शोले

## FOOD+

**आज हम आपको बनाना सिखा रहे हैं दही के शोले की रेसिपी। आप इस रेसिपी को आसानी से उपलब्ध सामग्री जैसे ब्रेड स्लाइस, दही, पनीर और मसालों के मिश्रण से तैयार करके घर पर आसानी से बना सकते हैं।**

• **जालंधर ब्रीज.** जायका

आपने रेस्टोरेंट में तो कई बार दही के शोले ट्राई किए होंगे लेकिन क्या आपने इसे घर में बनाना ट्राई किया है? अगर नहीं, तो देर किस बात की है? आज हम आपको बनाना सिखा रहे हैं दही के शोले की रेसिपी। आप इस रेसिपी को आसानी से उपलब्ध सामग्री जैसे ब्रेड स्लाइस, दही, पनीर और मसालों के मिश्रण से तैयार करके घर पर आसानी से बना सकते हैं। बाहर से क्रिस्पी और अंदर से क्रीमी-सॉफ्ट, ये दही के शोले एकदम सही स्नैक या ऐपेटाइजर हैं। इन्हें पुदीने की चटनी या केचप के साथ परोसें और शाम की चाय के साथ इसका मजा लें।

### दही के शोले बनाने के लिए

**सामाग्री...**

√ 1/2 कप हंग कर्ड
√ 3 बड़े चम्मच कटा हुआ प्याज
√ 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर
√ 1 छोटा चम्मच सूखे आम का पाउडर
√ 3 बड़े चम्मच धनिया पत्ती
√ 1 कप पनीर
√ 3 बड़े चम्मच कटी हुई शिमला मिर्च (हरी मिर्च)
√ 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
आवश्यकता अनुसार नमक
√ 6 स्लाइस ब्रेड स्लाइस

### दही के शोले बनाने की

**विधि...**

एक कटोरी लें। पनीर और हंग कर्ड डालें। अब इसमें कटा हुआ प्याज, शिमला मिर्च, नमक, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचूर और हरा धनिया डालें। मिश्रण तैयार करने के लिए अच्छी तरह मिलाएं। अब ब्रेड स्लाइस लें और किनारों को काट लें। एक रोलिंग पिन का प्रयोग करें और ब्रेड स्लाइस को एक चीज शीट में रोल करें। अब ब्रेड स्लाइस के बीच में 1-2 टेबल स्पून स्टफिंग डालें और सभी किनारों को एक साथ लाएं। पानी की कुछ बूँदें डालें और एक छोटी गेंद बनाएं। गेंद को सील करने के लिए धीरे से दबाएं। ऐसे ही और स्टफ्ड बॉल्स बना लीजिए। अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें स्टफ्ड बॉल्स डाल दें. इन्हें गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें। क्रिस्पी होने पर इन्हें प्लेट में निकाल लीजिए और चटनी और चटनी के साथ सर्व कीजिए।

# जनभागीदारी से टीबी मुक्ति की ओर भारत- मनसुख मांडविया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा कहते हैं कि जब 130 करोड़ देशवासी एक साथ एक कदम आगे बढ़ातेहैं तो पूरा देश 130 करोड़ कदम आगे बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री का समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में जनभागीदारीके प्रति अटूट विश्वास है। इस सामूहिक शक्ति और एकता की लहर से क्या हम नया भारत बना सकते हैं, जो 2025 में टीबी (क्षयरोग) मुक्त हो? प्रत्येक व्यक्ति का एक छोटा सा प्रयास भीएक'जन-आंदोलन'को गति देताहै। सरकार और जनता मिलकर जब कार्य करती है तो कोई भी अभियान शत-प्रतिशत सफल होता है। इसके उदाहरण हैं - स्वच्छ भारत अभियान, कोविड टीकाकरण अभियान और हाल ही में संपन्न 'हर घर तिरंगा' अभियान।

हम एक देश के तौर पर इसी सामूहिक जनभागीदारी के मंत्र के साथ 'टीबी मुक्त भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं। जब विश्व ने दुनिया से टीबी उन्मूलन के लिए वर्ष 2030 का लक्ष्य रखा,तब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसी सामूहिक जनभागीदारी में विश्वास रखते हुए भारत को टीबी मुक्त करने के लिए दुनिया से पांच वर्ष पहले यानी कि वर्ष 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया। इसी लक्ष्य के संदर्भ मेंभारत सरकार ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत नि-क्षय पोषण योजना की शुरुआत की। जिसमें 2018 से जून 2022 तक 62.71 लाख टीबी रोगियों को 1,651 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। इसमें डीबीटी के माध्यम से टीबी रोगियों को 500 रुपये कि राशि सीधे उनके बैंक खाते में पहुंचाना भी शामिल है, जिससे उन्हें अपनी पोषक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है।

मैं इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का उल्लेख भी करना चाहूँगा, जिन्होंने टीबी से पीड़ित मरीज़ों को गोद लेने का अभियान चलाया और उस अभियान को अपार सफलता मिली। उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर टीबी के इस अभियान को आगे और मजबूती प्रदान करते हुए भारत सरकार ने'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान'के तहत 'नि-क्षय 2.0' पोर्टल शुरू किया है। इस अभियान का शुभारंभ महामहिम राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 9 सितंबर, 2022 को किया हैयह पोर्टल टीबी मरीजों को सामुदायिक सहयोग देने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा। इस पोर्टल पर जाकर समाज का कोई भी व्यक्ति या संस्था टीबी मरीजों की मदद 'नि-क्षय मित्र' बनकर कर सकता है।

इस अभियान का एक मुख्य भाग है टीबी मरीज़ों को गोद लेना। जिसका मूल उद्देश्य है कि हम समाज में टीबी मरीजों के प्रति प्रचलित भेदभाव को मिटा सके, टीबी से जूझ रहे लोगों के साथ हाथ मिलाना है, उनके लिए पोषण और सामाजिक समर्थन सुनिश्चित कर सकें तथा उनको सामान्य जीवन जीने में सहयोग कर सकेंटीबी मरीजों की सहायता हेतु 'नि-क्षय 2.0' पोर्टल (https://communitysupport.nikshay.in/)पर लॉग-इन कर सामुदायिक सहयोग कर सकते हैं। इस पहल के तहत कोई भी व्यक्ति, सहकारी संस्थाएं, कॉर्पोरेट जगत, गैर-सरकारी संगठन, राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि भीटीबी रोगियों को सहायता प्रदान करने के लिए गोद ले सकते हैं।

टीबी मरीजों कोतीन प्रकार से मदद की जा सकती है। पहली मदद,उनके पोषण की जरूरतों को पूरा करने के लिए पोषण आवश्यकता अनुसार पौष्टिक खाद्य सामग्री एक पोषण किट के रूप में उपलब्ध कराना। दूसरी मदद, अतिरिक्त लैब आधारित जांच में सहायता देना। तीसरा सहयोग, टीबी मरीजों को रोजगार प्राप्त करने के लिए जरूरी व्यवसायिक कौशल वर्धन द्वारा उनका क्षमता निर्माण करके रोजगार देने के लिए आगे आना। भारत के किसी भी जिले या ब्लॉक में टीबी रोगियों को आप न्यूनतम एक साल और अधिकतम तीन साल तक गोद लेकर उनका सहयोग कर सकते हैं।

गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए मुफ़्त दवाई, टीबी संबंधित विविध मुफ़्त जांच तथा कई प्रकार की अन्य मदद भी की जाती है। परंतु मेरा मानना है कि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आप सभी की जनभागीदारी एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगी।

मैं आपसे अपील करना चाहता हूं कि जन-आंदोलन को सही मायने में साकार करने के लिए इस मिशन का हिस्सा बनें और टीबी के खिलाफ देश की इस सामूहिक लड़ाई में सक्रिय भागीदार बनें। जैसे हमकोविड के विरुद्ध सशक्त लड़ाई लड़ रहे हैं, उसी प्रकार टीबी उन्मूलन के लिए भी सामुदायिक समर्थन से एकसंगठित लड़ाई लड़ेंगे। मैं आज आपके सामने रामायण का एक अंश साझा करना चाहूँगा। जब प्रभु श्री राम लंका जाने के लिए पुल का निर्माण कर रहे थे तब मदद के लिए एक गिलहरी भी आई। प्रभु श्री राम ने उसके इस छोटे से योगदान को भी सराहा।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में देशवासी उस गिलहरी से प्रेरणा लेकर इस ईश्वरीय कार्यसे भारत को टीबी मुक्त बनाने में एक बहुत बड़ा सेवा कार्य कर सकती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के इस मूलमंत्र से, मानवता का यह कार्य करने के लिए,इस जन-आंदोलन में आप अवश्य जुड़ेंगे और 2025 तक भारत को टीबी मुक्त कर देंगें। टीबी हारेगा, देश जीतेगा।

*-लेखक भारत सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं खाद मामलों के केंद्रीय मंत्री हैं।*

**ई बी एस बी के अंतर्गत पंजाब पत्रकारों की आंध्र प्रदेश की यात्रा**

# विभिन्न राज्यों के लोगों के मध्य आपसी सम्पर्क और आपसी समझ को बढ़ावा देने का एक प्रयास

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर/चंडीगढ़

विशाखापट्टनम ने स्वच्छता और एक बार प्रयुक्त होने वाली प्लास्टिक पर पाबंदी का एक उदाहरण पेश किया है।

जैसा कि कहा जाता हैं, 'अच्छी शुरुआत से आधा कार्य संपन्न', ठीक ऐसा ही तब हुआ जब पंजाब के 12 पत्रकारों और पीआईबी अधिकारियों का एक दल, उड़ान भरने के लिए चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर इकट्ठा हुआ। यहां से दल के सदस्य एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत पंजाब के जोड़ीदार (समन्वय) राज्य आंध्र प्रदेश के लिए रवाना हो रहे थे । इनमें से कुछेक एक-दूसरे को पहले से ही जानते थे, जबकि बाकी पहली बार मिल रहे थे।

अंजान लोगों के साथ, अज्ञात स्थान पर उड़ान भरते हुए आंध्र प्रदेश की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, विकास तथा उपलब्धियों के बारे में जानने की उत्सुकता हरेक के चेहरे पर दिखाई दे रही थी।

खुद को सभी ने 'डेज़लिंग डर्ज़ेंस' (चमकते हुए बारह लोग) के रूप में नामित किया। हवाई यात्रा के कम ही समय में सभी ने अच्छी तरह से समन्वय बना लिया। 31 अगस्त से चंडीगढ़ से आरंभ हुई यह आंध्रप्रदेश की सप्ताह भर की यात्रा की शुरुआत थी जो एक आशावादी दृष्टिकोण के साथ शुरू हुई और एक सकारात्मक भावना के साथ समाप्त हुई।

आंध्र प्रदेश के समुद्र तटों की आश्चर्यजनक सुंदरता और चारों ओर छाई हरियाली आत्मा को भावविभोर करने वाली थी। आंध्र प्रदेश पर्यटन विकास निगम( ए पी टी डी सी) के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न स्थानों पर पारंपरिक भोजन, सुविधायुक्त रिसॉर्टस और आरामदायक परिवहन ने यात्रा के आनंद को और भी बढ़ा दिया था ।

पहली सितंबर को दौरे का पहला दिन, नियति के शहर विज़ाग या विशाखापत्तनम में उतरने के साथ शुरू हुआ। यह एक बंदरगाह शहर के रुप में भी लोकप्रिय है। पत्रकारों को

नौसेना डॉकयार्ड पर लेकर जाया गया। जिसके लिए पीआरओ रक्षा प्रकोष्ठ, विशाखापत्तनम ने सहयोग किया । दल में शामिल अधिकांश पत्रकारों के लिए यह किसी भी डॉकयार्ड की पहली यात्रा थी। उन्हें पूरे डॉकयार्ड पर घुमाया गया और दिखाया गया कि कैसे बड़ी संख्या में कार्यबल भारतीय नौसेना के जहाजों की मुरम्मत और रखरखाव यहां करता हैं। मीडिया के सदस्यों को एक युद्धपोत के बारे में भी पूरी जानकारी दी गई और यह भी बताया गया कि किसी भी संकट के दौरान युद्धपोत किस प्रकार से काम करते हैं। 'हर काम, देश के नाम' के आदर्श वाक्य पर चलते हुए, विशाखापत्तनम नेवल डॉकयार्ड ने हाल ही में अपनी स्वर्ण जयंती मनाई है । यह डॉकयार्ड 'आत्मनिर्भरता' पर केंद्रित है।

इस यात्रा के बाद विशाखापत्तनम की मेयर गोलागनी हरि वेंकट कुमारी और ग्रेटर विशाखापत्तनम नगर निगम (जीवीएमसी) आयुक्त जी. लक्ष्मीषा के साथ मुलाकात की गई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इन्होंने शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी । जिसमें जनता ने भी पूर्ण घनिष्ठता के साथ सहयोग दिया है । कमिश्नर ने बताया कि नागरिकों को ऐसा करने के लिए प्रेरित करने से पहले जीवीएमसी में ही प्लास्टिक के उपयोग पर पाबंदी लगा दी गई थी। स्वच्छ भारत सर्वेक्षण - 2022 के लिए सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने के क्षेत्र में जीवीएमसी देश का दूसरा निगम है।

विशाखापट्टनम ने आम लोगों के सहयोग से स्वच्छता और एक बार प्रयुक्त होने वाली प्लास्टिक पर पाबंदी का एक उदाहरण पेश किया है। पंजाब और अन्य राज्य इस शहर से मार्गदर्शन ले सकते हैं कि किस प्रकार से आम जनता के सहयोग के साथ अपने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शहर को साफ और सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त बनाया जा सकता हैं।

इसने स्वच्छ सर्वेक्षण -2020 की राष्ट्रीय स्तर की रैंकिंग में पहले ही 9 वां स्थान हासिल किया हुआ है। जीवीएमसी को 2021 में स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छ सर्वेक्षण आकलन के तहत आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा "वाटर प्लस" शहर भी घोषित किया गया था।

जीवीएमसी आयुक्त जी. लक्ष्मीषा द्वारा जो लीक से हट कर पत्रकारों के लिए दोपहर के भोजन की मेजबानी की गई और बाद में उन्हें सम्मानित किया, एक प्रशंसनीय कदम था जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

यहां दिलचस्प बात यह थी कि आईटीडीए कार्यालय कैंटीन आदिवासी महिलाओं द्वारा चलाई जा रही है। यहां पत्रकारों के लिए जो पारंपरिक भोजन पकाया और परोसा गया था उसकी किसी भी अच्छे होटल के स्वाद के साथ तुलना नहीं की जा सकती। बिरयानी, सब्जी, दाल, चटनी का स्वाद तथा मन को लालायित करने वाली महक भूख को और भी बढ़ा रही थी। आदिवासी महिला मालिकों ने अपनी मनमोहक मुस्कान के साथ सभी को भोजन परोसा और अपने साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए अनुरोध किया।

इस दौरान, अराकू से चलते समय पडेरू के रास्ते में जनजातीय संग्रहालय और कॉफी संग्रहालय पत्रकारों के दल के लिए अचंभित करने वाली स्मृतियां लेकर आया । जहां जनजातीय संग्रहालय ने आदिवासी आबादी के जीवन स्तर,खाने की आदतों और संस्कृति पर प्रकाश डाला , वहीं कॉफी संग्रहालय की यात्रा के दौरान यह जानने का समृद्ध अनुभव मिला कि कॉफी बीन्स कैसे मिलीं थीं? विभिन्न प्रकार की कॉफी की सुगंध हर एक को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी, जिससे आगंतुक के मन में आगे बढ़ने से पहले कम से कम एक कप कॉफी का स्वाद चखने की लालसा पैदा हो रही थी।

इस यात्रा से दौरान दल का प्रत्येक सदस्य अपने साथ नहीं नई जानकारियां, जागरूकता और तुलनात्मक अध्ययन और एक भारत श्रेष्ठ भारत की सच्ची भावना को संजोए हुए, विभिन्न व्यंजनों और संस्कृति के स्वाद से ओतप्रोत अपने मूल स्थानों पर लौटने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंच कर हवाई जहाज में सवार होने की ओर बढ़ चले ।

## आखिर क्यों ईरान की जगह नामीबिया से भारत आए चीते ?

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन्मदिन के मौके पर 8 चीतों को मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में छोड़कर चीता परियोजना का शुभारंभ किया। पीएम ने बटन दबाकर पिंजड़े का दरवाजा खोला और चीतों को कूनो नेशनल पार्क में रिहा किया। चीतों को छोड़ते हुए खुद कैमरे में कैप्चर किया। देश में करीब 70 साल बाद चीतों की वापसी हुई है। इन चीतों को नामीबिया से लाकर भारत में बसाया गया है। और मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क को इनका नया घर बनाया है। जिन चीतों को भारत लाया गया है उनमें पांच मादा और नर हैं। बता दें कि चीतों को भारत में लाने के लिए पहले ईरान से बात चली थी लेकिन किसी शर्त के कारण सहमति नहीं बन पाई थी।

दरअसल बात 1970 के दशक की है जब चीतों के विलुप्त होने के बाद भारत सरकार ने इन्हें पहले ईरान से लाने पर विचार किया था। ईरानी चीतों के जेनेटिक्स अफ्रीकी चीतों जैसे ही माने जाते है और ईरान इसके लिए राजी भी था लेकिन उसने भारत के सामने एक शर्त रख दी। ईरान ने चीतों के बदले में भारतीय शेर मांगे थे, जिसके चलते भारत ने अपना फैसला बदल दिया था।

ईरान के इनकार के बाद भी भारतीय वैज्ञानिकों ने हार नहीं मानी। साल 2000 में हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने प्रस्ताव दिया कि हमें सिर्फ चीतों के कुछ सेल्स और टीश्यू मिल जाएं तो हम उसे क्लोन करके चीता बना देंगे। लेकिन इसे लेकर भी ईरान इनकार कर दिया। बाद में साल 2009 में चीता को भारत लाने की कवायद फिर शुरू हुई। और भारत सरकार ने अफ्रीकन चीतों के भारत में सर्वाइवल के लिए अध्ययन करवाया। जहां कमेटी ने कूनो नेशनल पार्क को चीता रिइंट्रोडक्शन के लिए सही बताया। और फिर सरकार ने चीतों के लिए इस बार भारत ने नामीबिया से संपर्क किया।

जानकारी के अनुसार उस दौरान चीतों को भारत में लाने के लिए नामीबिया के अलावा केन्या से भी बात की गई थी लेकिन नामीबिया में चीता फाउंडेशन संस्था द्वारा चीता केयर प्रोटेक्शन पर काफी काम किया गया है। इसलिए भारत काफी समय से नामीबिया से चीते लाने की कोशिश में लगा हुआ था। और बातचीत के बाद आखिर नामीबिया के साथ सहमति बन गई।

साल 2010 को तत्कालीन वन मंत्री जयराम रमेश चीतों को देखने के लिए नामीबिया पहुंचे थे। और 2011 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रोजेक्ट चीता के लिए 50 करोड़ रुपये जारी किए। जानकारी के अनुसार चीतों के रखरखाव पर प्रति वर्ष 300 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित था। लेकिन कुछ संगठनों ने आपत्ति लगाकर प्रोजेक्ट को कोर्ट में घसीट लिया। जिसके बाद 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रोजेक्ट पर रोक लगा दी। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा था कि चीतों को लाने की बजाय गुजरात के गिर से शेरों को ट्रांसलोकेट किया जाए।

फिर 2019 में केंद्र सरकार ने एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रोजेक्ट चीता से रोक हटा दी।

**स्वामीनाथन ने पहचान लिया, यह युवा आदिवासी जनगढ़ अद्भुत समकालीन कलाकार है...**

# दीवार पर सजे चित्रों ने रचा एक इतिहास

***आदिवासियों के घर ऐसे ही होते हैं, देवताओं, देवियों, पक्षियों, पशुओं के चित्रों से घिरे हुए, ताकि अंदर रहने वालों को सुरक्षा का एहसास निरंतर होता रहे। कभी ऐसा भी लगे कि घर स्वयं ही प्रकृति अनुकूल...***

• **जालंधर ब्रीज.** स्टोरी

वह चित्रों से घेरा बनाता था, ताकि अपने घर को घेर सके। चित्र जब पूरे हो जाते थे, तो घर को घेर खड़े हो जाते थे या घर ही चित्र ओढ़े खड़ा दिखता था। पहले मन में चित्र की रोशनी बनती थी, फिर वह रोशनी रंग मांगती थी। चार-पांच रंग ही उपलब्ध थे, मिट्टी, पत्तों, फलों, फूलों, पेड़ की छालों से रंग लिए जाते थे। गीला गोबर छानकर उसमें सेम के ताजा पत्ते मिलाने से हरा रंग तैयार हो जाता था। सावधानी जरूरी थी कि हरा रंग उतना ही इस्तेमाल हो कि घर हरे जंगल में खो न जाए।

आदिवासियों के घर ऐसे ही होते हैं, देवताओं, देवियों, पक्षियों, पशुओं के चित्रों से घिरे हुए, ताकि अंदर रहने वालों को सुरक्षा का एहसास निरंतर होता रहे। कभी ऐसा भी लगे कि घर स्वयं ही प्रकृति अनुकूल मनुष्यता का उत्सव हो या कोई मंदिर। उस नवयुवा का घर भी ऐसा ही था। वह सब कुछ चित्रमय सोचता था, दूसरों से अलग, अपने घर की दीवारों को बचपन से ही सजाता आया था। अनेक भाई-बहन थे, पर सबसे ज्यादा चित्रकारी उसे ही आती थी। वैसे उसके बनाए चित्र हमेशा नहीं रहते थे, उड़ती रंगत के साथ चित्र भी उड़ जाते थे। जो चित्र उड़ जाते थे, उनकी जगह दूसरे चित्र बनाए जाते थे। उस बार नाचते लोगों के चित्र दीवार पर सजीव हो रहे थे और बनाने वाला युवा पास की नदी की ओर निकल गया था। दिनचर्या यही थी, पशु चराना, मछली पकड़ना, खेती और बचे हुए समय में दीवार सजाना। आदिवासियों को नदियों और जंगलों से सब कुछ मिल जाता है, वह नहीं जानते की दुनिया कहां तक फैली है। फैली हुई दुनिया में भी आदिवासियों के लिए कभी हलचल होती है, कभी दुनिया में आते हैं ऐसे लोग, जो आदिवासियों के बारे में सोचते हैं। तो जब वह लड़का अपने घर से दूर था, तब भोपाल और अन्य जगहों के कलाकारों की एक टीम उसके चित्र निहार रही थी। चित्र गांव की हर दीवार पर थे, लेकिन इस घर के चित्रों में कुछ खास था। पढ़े-लिखे कलाकार देखते रह गए। उन्होंने पूछा, यह चित्र किसने बनाया? घरवालों ने अपने युवा सदस्य का नाम लिया, तो कलाकारों ने

कहा, जिन्होंने बनाया है, उन्हें बुलाइए।

थोड़ी देर में बाद वह युवा हाजिर हुआ, कुछ डरा-सहमा सा। बाहर से आए लोग क्यों बुला रहे हैं? कलाकारों ने पूछा, यह चित्र तुमने बनाया है। दुबले-पतले से युवा ने सहमते हुए हामी भरी। थोड़ी-बहुत बातचीत के बाद बाहर से आए कलाकारों ने बताया कि हम कलाकारों की खोज में निकले हैं, तुम्हारे चित्र खास हैं, क्या तुम कागज पर बनाकर दिखा सकते हो?

जिस क्षण उंगलियों से कागज के चित्रपट का स्पर्श हुआ, जब पोस्टर कलर हाथ में आए। जब पहली बार कागज पर ब्रस से रंग उतरे, ऐसा लगा कि शरीर का रग-रग तरंगित हो गया हो। घर-जंगल से तो बमुश्किल पांच ही रंग प्राकृतिक ढंग से निकल पाते थे, पर यहां दस से ज्यादा रंग थे और रंग में रंग मिलाकर अलग ही रंग बन जा रहा था। ऐसा लगा, मानो रंग बहुत दूर से उस युवा को खोजते उसके गांव पहुंचे हैं। कमाल हो गया।

फिर एक दिन वह भी आया, जब देश के महान चित्रकार जगदीश स्वामीनाथन उस युवा जनगढ़ सिंह श्याम (1962-2001) को खोजते उसके गांव, घर पहुंच गए। उसकी एक दीवार पर हनुमान जी विराजमान थे। बिंदु-बिंदु वाले हनुमान जी, लगता था, अभी दीवार से कूदकर बाहर आ जाएंगे।

स्वामीनाथन ने कहा, चलो भोपाल, भारत भवन में ही पूर्णकालिक कलाकर बन जाओ, वहीं नौकरी करो।

फिर क्या था, कलाकारों की आधुनिक महफिल में बमुश्किल बीस साल का आदिवासी कलाकार भी पहुंच गया और चित्रकार के रूप में उसकी जीवन यात्रा शुरू हुई। स्वामीनाथन ने एक दिन कहा कि तुमने जैसा हनुमान अपने घर की दीवार पर बनाया था, वैसा ही यहां बनाकर दिखाओ। तो हनुमान जी एक बार फिर कागज पर विराजमान किए गए, लेकिन पहले वाले हनुमान जी से कुछ अलग, पर बहुत सजीव।

स्वामीनाथन ने पहचान लिया, यह युवा आदिवासी जनगढ़ अद्भुत समकालीन कलाकार है, हर बार कुछ अलग गढ़ता है। खुद को कभी दोहराता नहीं है। जनगढ़ की चर्चा कलाकारों की पूरी दुनिया में होने लगी। महज 26 की उम्र में उन्होंने मध्य प्रदेश का सर्वोच्च शिखर सम्मान हासिल किया। मध्य प्रदेश की सरकार ने अपने नए विधानसभा भवन की बाहरी दीवारों को जनगढ़ के हवाले कर दिया। वह पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन दुनिया में जगह-जगह से बुलावा आता था। कागज पर उतरे उनके चित्र आज भी हैं, लेकिन जैसे दीवार पर बने उनके चित्र मिट गए, ठीक वैसे ही एक दिन जनगढ़ ने जापान में खुद को मिटा लिया। कलाकार चले जाते हैं, पर कला यहीं रह जाती है हमेशा के लिए।

# 'आप' ने राज्यपाल के विधानसभा सत्र रद्द करने के फैसले के खिलाफ निकाला 'शांति मार्च', कहा- राज्यपाल का फैसला 'लोकतंत्र का मज़ाक'

## विधानसभा से राज भवन तक निकाला मार्च, 'ऑपरेशन लोटस बन्द करो' के लगाए नारे

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ

आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्रियों और विधायकों ने गुरुवार को विश्वास प्रस्ताव लाने के लिए बुलाए गए विशेष विधानसभा सत्र को रद्द करने के विरोध में विधानसभा से राज भवन तक 'शांति मार्च' निकाला। आप विधायकों ने 'लोकतंत्र के हत्यारे, कांग्रेस-बीजेपी कर रही लोकतंत्र की हत्या, 'ऑपरेशन लोटस बन्द करो' के बैनर हाथ में लेकर जमकर नारेबाजी की।

विधायकों ने आरोप लगाया कि भाजपा कांग्रेस के साथ मिलकर आप सरकार को रोकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने राज्यपाल द्वारा सत्र को रद्द करने के फैसले को लोकतंत्र का मज़ाक करार दिया और कहा कि केंद्र के इशारे पर राज्यपाल ने अपने फैसले को बदला है। विधायकों ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के असाधारण कामकाज से कांग्रेस और शिअद-भाजपा समेत विपक्षी दल बौखला गए हैं और लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। लेकिन उनके नापाक एजेंडा को आप के ईमानदार सिपाही कभी सफल नही होने देंगे। उन्होंने कांग्रेस पर भाजपा की 'बी-टीम' होने और भगवा पार्टी के लिए काम करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता सीबीआई और ईडी की छापेमारी की धमकियों से घबराकर अपने पद को बचाने के लिए भाजपा की बोली बोल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आप सरकार राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए 27 सितंबर को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी। कानून के अनुसार

मंत्रिपरिषद की सहमति के बिना अनुमति रद्द करने के राज्यपाल के मनमाने और अलोकतांत्रिक फैसले के खिलाफ सरकार सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाएगी।

## भाजपा के इशारे पर विशेष सत्र रद्द किया, भारत के इतिहास का 'काला दिन' : 'आप'

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र को रद्द करने के राज्यपाल के फैसले को आम आदमी पार्टी(आप) ने भारतीय राजनीति का 'काला दिन' करार दिया। गुरुवार को पंजाब भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए 'आप' के वरिष्ठ नेता और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब के राज्यपाल ने जिस तरह से भाजपा के निर्देश पर काम किया और विशेष सत्र की अनुमति वापस ली, यह दर्शाता है कि भाजपा संविधान और संविधानिक संस्थानों को कुचलने की कोशिश कर रही है।

चीमा ने कहा कि राज्यपाल ने पंजाब के एजी कार्यालय की अनदेखी कर भारत के अतिरिक्त महाधिवक्ता से सलाह मांगी और अपने पहले के आदेश को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरह आप भाजपा के आगे नहीं झुकेगी। पंजाब सरकार ने लोकतंत्र और उसके संविधान की रक्षा के लिए 27 सितंबर को विधानसभा का सत्र बुलाया है। इस सत्र के दौरान बिजली और पराली जलाने के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। चीमा ने कहा कि भाजपा आप की बढ़ती लोकप्रियता से डरी हुई है और उसने इस

बात को स्वीकार कर लिया है कि 2024 के चुनाव में केवल अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी ही उसे चुनौती दे सकती है। इसीलिए भाजपा किसी भी तरह आप को रोकना चाहती है। लेकिन मैं दोहराना चाहता हूं कि भाजपा अपने कायरतापूर्ण एजेंडे में कभी सफल नहीं होगी और अरविंद केजरीवाल देश की बेहतरी के लिए काम करते रहेंगे। चीमा ने कांग्रेस पर भी हमला किया और कहा कि विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा समेत कांग्रेस के नेता बीजेपी की बी-टीम के तौर पर काम कर रहे हैं। 'ऑपरेशन लोटस' के नापाक एजेंडे के खिलाफ संघर्ष कर रही आप सरकार का समर्थन करने के बजाय कांग्रेस नेतृत्व इस मुद्दे पर लगातार बीजेपी का ही समर्थन कर रहा है।

## खाद के साथ टैगिंग पाए जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई : मुख्य कृषि अधिकारी

• सुल्तानपुर लोधी/कपूरथला

मुख्य कृषि अधिकारी डा. बलबीर चंद ने हाडी मौसम में फसलों की बिजाई के मद्देनजर किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सुल्तानपुर लोधी में सभी उर्वरक डीलरों के साथ बैठक की। उन्होंने उर्वरक डीलरों को निर्देश दिए कि कोई भी डीलर बिना आवश्यकता के किसी भी किसान यानि अन्य कृषि सामग्री के साथ उर्वरक के साथ किसी भी प्रकार की टैगिंग नहीं लगाए और उर्वरक का स्टॉक और उसकी दर प्रत्येक सोसायटी या डीलर के डिस्प्ले बोर्ड पर दर्ज करे जिससे किसानों में भरोसा

पैदा किया जा सके कि उन्हें किसी भी तरह से लूटा नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि अन्य कृषि सामग्री को अनावश्यक रूप से टैग किया गया पाया जाता है तो संबंधित डीलर/सहकारिता समिति के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कोई भी डीलर किसान को निर्धारित दर से अधिक और बिना बिल के माल नहीं बेचेगा व डीलर पीओएस मशीनों के माध्यम से पूरा स्टॉक निकालना सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में कृषि अधिकारी डा.अश्विनी कुमार, कृषि विकास अधिकारी डा जसपाल सिंह, डा गुरजोत सिंह, डा मनमोहन सिंह, कृषि विस्तार अधिकारी परमिंदर कुमार, गुरविंदर सिंह आदि मौजूद थे।

## पंचायती फंडों में गबन के दोषों के तहत पूर्व सरपंच और पंचायत सचिव के ख़िलाफ़ मुकदमा दर्ज, पूर्व सरपंच गिरफ्तार

• जालधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने ग्राम पंचायत सठ्यिली, ज़िला गुरदासपुर के फंडों में गबन करने के दोषों के अंतर्गत पूर्व सरपंच और पंचायत सचिव, ब्लाक काहनूवान के ख़िलाफ़ मुकदमा दर्ज करके सतनाम सिंह पूर्व सरपंच को गिरफ़्तार कर लिया है। इसी दौरान एक अलग केस में विजीलैस की तरफ से बलजिन्दर कुमार कानूनगो तहसील खमानो और उसके मध्यस्थ एक प्रायवेट व्यक्ति सतपाल सिंह सत्ता निवासी भैणीकलां, ज़िला फतेहगढ़ साहिब को रिश्वत लेने के दोष अधीन गिरफ़्तार कर लिया है।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो की तरफ से पड़ताल के दौरान जांच में पाया गया कि साल 2013 से साल 2018 तक सरकार की तरफ से ग्राम पंचायत सठ्यिली के विकास कामों के लिए प्राप्त हुई ग्रांट और पंचायत के फंडों की रकम में से 20,08,602 रुपए का गबन किया गया।

प्रवक्ता ने बताया कि एक अलग केस में शिकायतकर्ता जरनैल सिंह ने विजीलैंस के टोल फ्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाई थी कि उक्त बलजिन्दर कुमार कानूनगो की तरफ से अपने साथ रखे गए प्राईवेट व्यक्ति सतपाल सिंह सत्ता के द्वारा गाँव बिलासपुर में खरीदी गई ज़मीन की तक्सीम कराने और माप कराने के बदले 10,000 रुपए रिश्वत की माँग की गई है। विजीलैंस की तरफ से उक्त शिकायत की जांच के उपरांत उक्त दोनों दोषियों के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7 और 7ए के अंतर्गत थाना विजीलैंस ब्यूरो पटियाला में में मुकदमा दर्ज करके दोनों दोषियों को गिरफ़्तार कर लिया।

### रिश्वत लेने के दोष में क्लर्क गिरफ्तार

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा गुरूवार को मनजीत सिंह जूनियर सहायक, एस. सी. आंकड़ा क्लर्क, सदर कानूनगो ब्रांच, दफ़्तर डिप्टी कमिशनर, गुरदासपुर के खिलाफ, 1000 रुपए रिश्वत हासिल करने के दोष के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करके उसे गिरफ़्तार कर लिया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि रिश्वतख़ोरी के मामले में उक्त मुलजिम मनजीत सिंह को शिकायतकर्ता जरमनजीत सिंह की तरफ से विजीलैंस की एंटी कुरप्पशन हेल्पलाइन पर दर्ज करवाई शिकायत के आधार पर गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने ऑनलाइन शिकायत में दोष लगाया है कि उक्त क्लर्क उसकी ज़मीन के रिकार्ड की मसाफी देने के बदले उससे 1000 रुपए बतौर रिश्वत माँग रहा है। रिकार्ड और तथ्यों के आधार पर की पड़ताल में दोष सही पाये जाने पर मनजीत सिंह के ख़िलाफ़ थाना विजीलैंस ब्यूरो, अमृतसर में दर्ज करके गिरफ़्तार कर लिया है और इस संबंधी आगे कार्यवाही जारी है।

## प्लेसमैंट कैंप में रोजगार के लिए 35 उम्मीदवारों का चुनाव

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो (डीबीईई), जालंधर ने अपने दफ्तर में एक प्लेसमैंट कैंप का आयोजन किया, जिसमें 35 उम्मीदवारों को मौके पर ही रोजगार के लिए चुना गया। रोजगार उत्पति, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण अधिकारी रंजीत कौर ने बताया कि प्लेसमैंट कैंप में एसबीआई जीवन बीमा और एसबीआई क्रेडिट ने पहुँच की और 62 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिसमें से 35 उम्मीदवारों का मौके पर ही चुनाव हो गया।

रंजीत कौर ने कहा कि जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के लिए जिला प्रशासकीय परिसर स्थित जिला रोजगार एवं व्यवसाय ब्यूरो से संपर्क करने को कहा। अधिक जानकारी के लिए दफ्तर के हैल्पलाइन नं. 90569-20100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

## 'हेल्पलाइन नं: 14567 बुज़ुर्गों के लिए साबित हो रहा है वरदान'

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार बुज़ुर्गों की भलाई के लिए वचनबद्ध है।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14567 के द्वारा बुज़ुर्गों की शिकायतों के निपटारे तेज़ी से किये जा रहे हैं। इन विचारों का प्रगटावा कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने किया।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास संबंधी मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार राज्य के बुज़ुर्गों की हमदर्दी से सेवा करके खुशहाल और सेहतमंद सहूलतें देने के लिए वचनबद्ध है। यह हेल्पलाइन पंजाब के बुज़ुर्गों की शिकायतों के निपटारे के लिए एक प्लेटफार्म के तौर पर काम करती है, जिस कारण बुज़ुर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि बुज़ुर्गों को ज़िंदगी में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। पंजाब के बुज़ुर्ग अपनी समस्याओं के हल के लिए टोल फ्री नंबर 14567 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि अब तक इस खोज फ्री नंबर पर 61413 कॉल ( सेवायोग और ग़ैर-सेवायोग) अलग-अलग जिलों में से प्राप्त हुयीं हैं, जिनमें 17235 कॉलों (सेवायोग) पर कार्यवाही की गई।

सेवायोग कॉल जिनमें से जांच सम्बन्धी 9413, पैंशन से सम्बन्धित 4587, कानूनी 988, दुर्व्यवहार 535, कोविड सहायता 548 कॉल, अन्स 389, स्वास्थ्य संबंधी 294, भावनात्मक सहायता सम्बन्धी 210, ओ. ए. एच सम्बन्धी 165, देखभाल करने वाले 52, बचाव 42, गतिविधि केंद्र 10, वालंटियरिंग 02 प्राप्त हुई हैं।

## प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निकशै मित्रा व टीबी प्रीवेंटिव थैरेपी का रिव्यू

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

नेशनल टीबी एलीमिनेशन प्रोग्राम के तहत टीबी प्रीवेंटिव थैरेपी (टीपीटी) व निकशै मित्रा का वीरवार को मैनेजिंग डायरेक्टर (एनएचएम) अभिनव त्रिखा ने वीसी के द्वारा रिव्यू किया। पंजाब राज्य के सारे जिलों के डीसी, सिविल सर्जन व डिस्ट्रिक टीबी अधिकारी इस वीसी में शामिल हुए। सहायक सिविल सर्जन जालंधर डॉ. वरिंदर कौर थिंद, जिला टीबी अधिकारी डॉ. रितू दादरा व जिला बीसीसी कॉ-आर्डीनेटर नीरज शर्मा वीसी के दौरान मौजूद रहे। सहायक सिविल सर्जन डॉ. वरिंदर कौर थिंद ने बताया कि अभिनव त्रिखा ने वीसी द्वारा सेहत स्टाफ को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के साथ टीबी के मरीजों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अभियान के तहत जन-हिस्सेदारी के द्वारा टीबी के मरीजों को जल्द ठीक करने के लिए इलाज के साथ-साथ पौष्टिक आहार मुहैय्या करवाया जाएगा। जिला टीबी अफ्सर डॉ. रितू दादरा ने बताया कि जिले में इस साल 65 मरीजों को डिस्ट्रिक रेडक्रास सुसाइटी की मदद से न्यूट्रिशन किट्स बांटी जा चुकी हैं।

## मुख्य सचिव द्वारा पराली जलाने की घटनाएं रोकने के लिए सभी डिप्टी कमीशनरों को हिदायतें जारी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के मुख्य सचिव विजय कुमार जंजूआ ने सभी डिप्टी कमीशनरों को ज़ोर देकर कहा है कि पराली जलाने की घटनाओं को हर हाल में रोकने के लिए वह अपने- अपने जिलों में योग्य प्रबंध करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की तरफ से किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष यत्न किये जा रहे हैं। पराली और अवशेष जलाने की दर को और कम करने और पराली प्रबंधन के लिए हैपी सिडर और ऐसे अन्य यंत्रों/मशीनों की खरीद के लिए किसानों की वित्तीय मदद की जा रही है। पंजाब के सभी डिप्टी कमीशनरों और उच्च अधिकारियों के साथ मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये मुख्य सचिव ने कहा कि वातावरण दूषित होने से बचाने के लिए राज्य सरकार पराली को जलाने की जगह इसके प्रबंधन की तरफ विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को समझाया जाये कि यदि पराली जलाने वाले किसी किसान के राजस्व रिकार्ड में रैड्ड एंट्री हो जाती है तो इससे वह बहुत सी सरकारी स्कीमों और योजनाएं प्राप्त करने से वंचित हो सकता है।

## डीसीपी ने पटाखों की बिक्री एवं भंडारण संबंधी आदेश किए जारी

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

डिप्टी कमिशनर पुलिस (कानून व्यवस्था) अंकुर गुप्ता ने दीपावली पर्व को देखते हुए पटाखों की बिक्री के संबंध में जारी आदेश में कहा है कि बर्लटन पार्क में जिला प्रशासन द्वारा जिन दुकानों को अस्थाई लाइसैंस जारी किया जाएगे उन दुकानों के इलावा जालंधर कमिश्नरेट पुलिस के अधिकार क्षेत्र के अलावा किसी अन्य स्थान पर पटाखों की बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पुलिस कमिशनर की और से जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि पुलिस कमिशनरेट जालंधर के क्षेत्र में अस्थाई लाइसैंस प्राप्त स्थानों को छोड़कर किसी भी स्थान पर पटाखों के भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि ये आदेश एडीसीपी सिटी-1 व 2, एसीपी (नार्थ), एसीपी (वेस्ट), एसीपी (सेंट्रल), एसीपी (मॉडल टाउन), एसीपी (कैंट), एसीपी (सीआर), एसीपी (स्पैशल ब्रांच) और सभी पुलिस थानों के एसएचओ सुनिश्चित करेंगे। ये आदेश 21.03.2023 तक प्रभावी रहेंगे।

# आईसीसी अध्यक्ष बनने की अटकलों पर गांगुली ने लगाया विराम, बोले- यह पद मेरे हाथ में नहीं

**मुंबई :** बीसीसीआई अध्यक्ष और भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को लेकर अटकलों का दौर पिछले कई दिनों से जारी है। कहा जा रहा है कि सौरव गांगुली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष बन सकते हैं। हालांकि, गांगुली ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। गांगुली ने साफ तौर पर कहा है कि आईसीसी अध्यक्ष पद उनके हाथ में नहीं है। आपको बता दें कि आईसीसी ने जुलाई में अगला अध्यक्ष नवंबर महीने में चुनने के लिए मंजूरी दे दी थी। विश्व में क्रिकेट के सभी गतिविधियों को आईसीसी नियंत्रित करता है। वर्तमान में आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है। बर्मिंघम में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि सामान्य बहुमत से चुनाव कराए जाएंगे और अगले अध्यक्ष का कार्यकाल 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2024 के बीच होगा। इसी के बाद से सौरव गांगुली का नाम सुर्खियों में है। हालांकि, आज सौरव गांगुली ने इस पर साफ तौर पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। सौरव गांगुली ने कहा है कि आईसीसी का अध्यक्ष पद मेरे हाथ में नहीं है। आपको यह भी बता दें कि आईसीसी बोर्ड में जो नया नियम तय किया है उसके मुताबिक अब अध्यक्ष के चुनाव के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत नहीं है। अब जीत के लिए 51% मतों की ही आवश्यकता है। वर्तमान में सौरव गांगुली बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं। हालांकि, सौरव गांगुली के कार्यकाल में टीम इंडिया अच्छे फॉर्म में नहीं है। कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। खुद गांगली भी इस इस को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हां, यह बात सच है कि हमने बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और यह चिंता की बात है।

साथ ही गांगुली ने यह भी कहा कि रोहित शर्मा का जीत का प्रतिशत 80 के करीब है। भारत ने पिछले तीन चार मैच हारे हैं लेकिन उससे पहले 35.40 मैचों में से पांच या छह ही गंवाये। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे यकीन है कि रोहित और राहुल द्रविड़ इसे लेकर चिंतित होंगे कि हमने बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। इस पर बात की जायेगी। विराट कोहली के शतक के बारे में उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि विराट ने एशिया कप में अच्छा खेला और उम्मीद है कि वह लय कायम रखेगा।। महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने जा रही है। गांगुली ने उन्हें 'लीजैंड' बताते हुए कहा कि झूलन लीजैंड है। बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर पिछले तीन साल में हमारे बेहतरीन संबंध रहे हैं। उनका कैरियर शानदार रहा और वह महिला क्रिकेट में रोलमॉडल रहेंगी।

## स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर माता कौशल्या अस्पताल में टोकन सिस्टम हुआ शुरू

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने राज्य के आम लोगों को ई-गवर्नेंस के द्वारा सुखद और बेहतर स्वास्थ्य सहूलतें मुहैया करवाने के लिए मरीज़ों की सुविधा के लिए माता कौशल्या सरकारी अस्पताल, पटियाला में टोकन सिस्टम शुरू किया है, जिससे मरीज़ बिना लाईनों में लगे सुखद ढंग से इलाज करवा सकें। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, यह कम्प्यूटराईजड तकनीक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा के दिशा-निर्देशों पर शुरू की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने माता कौशल्या अस्पताल के हाल ही में किये दौरे के दौरान यह पाया था कि बुज़ुर्गों और अन्य मरीज़ों को पर्ची लेने के लिए अधिक समय लाइनों में खड़ा होना पड़ता है।

उन्होंने अधिकारियों को हिदायत की कि अस्पताल में टोकन सिस्टम शुरू किया जाये जिससे मरीजों को लाइनों में न खड़ा होना पड़े और वह अपनी बारी अनुसार आसानी से दवाएँ लेने सकें। ज़िक्रयोग्य है कि माता कौशल्या सरकारी अस्पताल के ब्लाक-ए में ओ. पी. डी. में गर्भवती औरतें, बुज़ुर्गों, आयुषमान स्कीम के मरीजों के लिए कम्प्यूटराईजड फाइलें पहले ही बनाई जा रही हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.